सामग्री की खरीद

११४६. **श्री राधा रमण** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण का स्तर ऊंचा करने के उद्देश्य से, अमरीका के प्वाइंट ४ प्राविधिक कार्यक्रम की सहायता से अब तक क्या क्या सामग्री प्राप्त की गई है;

(ख) यह सामग्री किस प्रकार से काम में लाई जा रही है; और

(ग) संयुक्त राष्ट्र के प्राविधिक सहायता प्रशासन के अधीन रूस से प्राप्त ३० लाख रुपये की सामग्री किस प्रकार काम में लाई जा रही है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) सामग्री की खरीदी के लिए लगभग ३०.८७ लाख रुपयों की मंजरी हुई है। इस रकम में से २१.७ लाख रुपयो का सामान खरीदा जा चुका है।

(ख) इस कार्यक्रम के अधीन खरीदा गया सामान औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्रो संस्थानों को दे दिया गया है। इसका उपयोग प्रशिक्षणार्थियो को दस्तकारी सिखाने के लिये किया जायेगा।

(ग) यह सामान अभी भारत नही पहुंचा है। इस सहायता योजना के अधीन केवल २० लाख रुपयो का सामान भारत आयेगा न कि ३० लाख रुपयो का।

महिलाओं को दस्तकारी का प्रशिक्षण

११४७. **श्री राधा रमण** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महिला दस्तकारी प्रशिक्षण कार्य पर जनवरी, १९५६ से अब तक कितना खर्च हुआ है;

(ख) इस का विवरण क्या है; और

(ग) प्रशिक्षण संस्थाओं में इस समय प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं की संख्या राज्यवार कितनी है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) ३१ अक्टूबर १९५६ तक, जिस दिन प्रशिक्षण संस्थाओ का प्रशासन राज्य सरकारों को सोप दिया गया था, २,३४,०५३ रुपये मात्र।

(ख) एक विवरण इस उत्तर के सम्बन्ध में सभा के पटल पर रख दिया गया है। [देखिय परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ७१]

(ग)

राज्य	३१-१०-५७ को प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
मद्रास	९७
उत्तर प्रदेश	२१८
दिल्ली	१९७

कोयले की खानों और मिलों का बन्द किया जाना

११४८. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५६-५७ मे काम के दिनो की हानि मे जो वृद्धि हुई है, वह पश्चिम बगाल की कोयले की किन किन खानो तथा बम्बई की किन किन मिलो के बन्द होने के कारण हुई है?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : सूचना प्राप्त नही है तथा उसको प्राप्त करने से जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी।

औद्योगिक विवाद

११४९. **श्री वि० प्र० सिंह**: क्या श्रम और रोज़गार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी से अक्तूबर, १९५६ तक जो १००६ विवाद हुये, उनमे से कितने के

कारण हड़तालें हुई और कितने से तालाबन्दियां;

(ख) इन हड़तालों और तालाबन्दियों के कारण कितने व्यक्ति बेकार रहे;

(ग) चालू वर्ष में अब तक कितनी हड़तालें और तालाबन्दियां हो चुकी हैं; और

(घ) उनके कारण काम के कितने दिनों की हानि हुई है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) ६३१ हड़तालें और ७५ तालाबन्दियां।

(ख) हड़तालों से ५,३८,१२१ और तालाबंदियों से ६५,०५६ ।

(ग) जनवरी से सितम्बर १९५७ तक १०५५ हड़तालें और ६१ तालाबंदियां ।

(घ) हड़तालों से २६,३५,८६० और तालाबंदियों से १६,७३,२८६ ।

खानों तथा कारखानों में हड़तालें व तालाबन्दियां

११५० **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि कितनी खानों तथा कारखानों में जनवरी १९५६ से कई बार हड़तालें व तालाबन्दियां हो चुकी हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): सूचना प्राप्त नहीं है तथा उसको प्राप्त करने में जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी ।

श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण पंचाट

११५१. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण ने ३१ अगस्त, १९५६ तक १६५६ अपीलों और २७३४ याचिकाओं पर जो निर्णय दिये हैं उनमें से कितने मालिकों के पक्ष में हुये हैं और कितने मजदूरों के पक्ष में; और

(ख) इन निर्णयों का मजदूरों पर क्या असर पड़ा है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): (क) और (ख) सूचना प्राप्त नहीं है तथा उसको प्राप्त करने में जो प्रयोजन सिद्ध होगा उससे अधिक उसके एकत्र करने में समय और मेहनत लगेगी ।

श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण

११५२ **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष १ जनवरी, १९५७ को शेष रही १७५ अपीलों तथा ४५९ याचिकाओं में से अब तक कितने का फैसला हो चुका है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली): श्रम अपीलीय न्यायाधिकरण ने जनवरी १९५७ से अक्तूबर के आखिर तक १७५ अपीलों और ४५९ याचिकाओं में से १२० अपीलों और २८७ याचिकाओं का फैसला किया ।

महिला कल्याण केन्द्र

११५३. **श्री हेडा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) कोयला खदान क्षेत्रों के महिला कल्याण केन्द्रों में महिलाओं को विभिन्न शिल्पों का जो प्रशिक्षण दिया जाता है क्या उस से वे कोई अर्थोपार्जन करती हैं;

(ख) जो स्त्रियां इन केन्द्रों में साक्षर हो जाती हैं बाद में उनका ज्ञान बढ़ाने के लिये क्या व्यवस्था की गई है; और

(ग) इन कल्याण केन्द्रों में कितने पुस्तकालय हैं और उनमें किन किन भाषाओं की कितनी पुस्तकें हैं ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) जी हां ।